we are providing assistance to those who are not being able to get assistance under the PMAY in order to help them in constructing their houses.

Having said that, I would like to mention that 2019 was the time when the Awas portal was opened for providing inputs. I do not want to concentrate it only for the State of Odisha, but for many other States as well, and my colleagues across party lines would agree that the need for adding more beneficiaries has increased over the last four-and-a-half years. Therefore, I would urge upon the Government to undertake steps to ensure that Odisha gets those seven lakh houses sanctioned under the PMAY. Thank you, Sir.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by Dr. Sasmit Patra: Dr. Sonal Mansingh (Nominated), Shri Vijay Pal Singh Tomar (Uttar Pradesh), Dr. Amar Patnaik (Odisha), Shrimati Sulata Deo (Odisha), Shri Niranjan Bishi (Odisha) and Shri Sujeet Kumar (Odisha).

Need for more Blood Banks in the country

श्री नरहरी अमीन (गुजरात): माननीय उपसभापति महोदय, भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य राजमार्गों और आंतरिक सड़कों पर दिन-प्रतिदिन दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ती जा रही है। कोरोना महामारी के बाद अधिक संख्या में लोग हार्ट अटैक एवं अन्य बीमारियों के कारण अस्पताल में भर्ती हो रहे हैं और उनके इलाज के लिए ब्लड की आवश्यकता बढ़ रही है। वर्तमान में पूरे भारत में 4,137 ब्लड बैंक कार्यरत हैं। गुजरात में 181 ब्लड बैंक कार्यरत हैं। इन ब्लड बैंकों में सरकार संचालित हॉस्पिटल्स, रेडक्रॉस सोसायटी, सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट और विभिन्न हॉस्पिटल्स से संलग्न ब्लड बैंक्स शामिल हैं।

डब्ल्यूएचओ की गाइडलाइन के मुताबिक, हर जिले में कम से कम एक ब्लड बैंक होना जरूरी है। सरकार को इन ब्लड बैंक्स को चलाने के लिए आवश्यक सभी उपकरणों और सुविधाओं को उपलब्ध कराना चाहिए। वन क्षेत्र, पहाड़ी क्षेत्र एवं आंतरिक क्षेत्रों में ब्लड न मिलने के कारण कई बार कठिनाई उत्पन्न होती है, जिससे मरीजों की मौत भी हो जाती है। सरकार द्वारा स्वैच्छिक ब्लड डोनेशन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं, विज्ञापनों और अन्य माध्यमों से जन-जागरूकता बढ़े, इस दिशा में काम करना चाहिए। मरीजों को बीमारी के समय उनके निवास स्थान के हॉस्पिटल में गुणवत्तापूर्ण ब्लड मिले, इसका आयोजन भी करना चाहिए। लोगों में ब्लड डोनेशन की भावना बढ़े, इसके लिए केन्द्र और राज्य सरकारों को आवश्यक आयोजन करना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक लोग ब्लड डोनेट करें। इन ब्लड बैंकों को आवश्यक आर्थिक सहायता मिल पाए, इसकी दिशा में सरकार को प्रयास करना चाहिए।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by Shri Narhari Amin: Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik

(Maharashtra), Shri Rambhai Harjibhai Mokariya (Gujarat), Shrimati Sulata Deo (Odisha), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Kanakamedala Ravindra Kumar (Andhra Pradesh), Shri Sujeet Kumar (Odisha), Dr. Amar Patnaik (Odisha), Shrimati S. Phangnon Konyak (Nagaland) and Shri Niranjan Bishi (Odisha).

Demand to start a superfast train from Manikpur junction to Delhi

श्री बाबू राम निषाद (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति महोदय, मैं आज आपके माध्यम से जनहित के एक विषय को इस सदन के समक्ष रख रहा हूँ।

माननीय उपसभापति महोदय, मैं उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड के पिछड़े जनपद, हमीरपुर का रहने वाला हूँ। जनपद हमीरपुर अपनी स्थापना के 200 वर्ष पूर्ण कर चुका है, लेकिन आज भी वह रेलवे परिवहन से लेकर अन्य तमाम समस्याओं से ग्रसित है। जनपद हमीरपुर में एकमात्र रेलवे ट्रैक मानिकपुर जंक्शन से कानपुर सेंट्रल के मध्य है। इसमें बहुत सीमित ट्रेनों का आवागमन है। इस रूट पर नई दिल्ली के लिए कोई भी ट्रेन उपलब्ध नहीं है।

माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सदन का ध्यान इस बात की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ कि उपरोक्त रूट पर प्रतिदिन एक सुपरफास्ट ट्रेन मानिकपुर जंक्शन से वाया चित्रकूट, बांदा, रागौल, सुमेरपुर, हमीरपुर, घाटमपुर, कानपुर सेंट्रल से होते हुए नई दिल्ली के लिए चलाई जाए। साथ ही, मैं यह भी संज्ञान में लाना चाहता हूँ कि मेरे गृह जनपद, हमीरपुर मुख्यालय में कोई भी रेलवे स्टेशन नहीं है। संत तुलसीदास की तपोभूमि चित्रकूट है, जहाँ दर्शन के लिए लाखों की संख्या में दर्शनार्थी आते-जाते हैं। भगवान राम की उस तपोभूमि पर तुलसीदास जी ने एक चौपाई कही है:

'चित्रकूट के घाट पर, भई संतन की भीर,
तुलसीदास चंदन घिसे, तिलक करे रघुवीर'

महोदय, मैं आग्रह करता हूं कि सरकार मेरी इस डिमांड को पूरा करे, जिससे जनहित में लाखों श्रद्धालु उस धार्मिक स्थल पर पहुंचने का प्रयास कर सकें।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Baburam Nishad: Shri Maharaja Sanajaoba Leishemba (Manipur), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. Amar Patnaik (Odisha), Shri Rambhai Harjibhai Mokariya (Gujarat), Shri Aditya Prasad (Jharkhand), Ms. Kavita Patidar (Madhya Pradesh), Shri Naresh Bansal (Uttarakhand), Shri Sakaldeep Rajbhar (Uttar Pradesh), Shri Vijay Pal Singh Tomar (Uttar Pradesh), Shri Pabitra Margherita (Assam), Dr. Kalpana Saini (Uttarakhand), Shri Brij Lal (Uttar Pradesh), Shrimati Sumitra Balmik (Madhya Pradesh), Shrimati Darshana Singh (Uttar Pradesh), Shrimati Geeta alias Chandraprabha (Uttar Pradesh), Shri Shambhu Sharan Patel (Bihar), Shri Nagendra Ray (West Bengal),